Donation, or was the name of

- 33. Fz. p. 1058, col. 2.
- 34. Ibid., p. 360, col. 2.
- 35. Gj. XX, No. 5, p. 60.
- 36. Fz. p. 1246, col. 2.
- 37. शाक्यभिक्ष्वाचार्य्य-जितसेन.....।
- 38. (i) Vāyu Purāṇa, ch. 23, Vs. 210-13.
 - (ii) Linga Purāṇa, ch. 24, Vs. 127-131.
 - (iii) About Lakulin or Lakuliśa (holder of a club):— QJ. XXII, 151ff; GJ. XXI, 1ff. GJ. XXI, 5-7, Rz. pp. 453-54.
- 39. Fz. p. 297, col. 2.
- 40. Ibid., p. 779, col. 1.
- 41. Pāṇini, IV. I.177.
- 42. Ibid., II.3.73. मद्रं तस्य, तस्मै, "Joy to him."
- 43. Fz. p. 591, col. 1.
- 44. Ibid., p. 662, col. 2.
- 45. No. 15, L. 7 : तत्सूनु रुद्रसोम (:) पृथुल-मित-यशा व्याघ्र इत्यन्यसंज्ञी
- 46. स्वसंज्ञया शङ्कर-नाम-शब्दितो विधान-युक्तं यति-मार्ग्गमास्थितः
- 47. Fz. p. 1054, col. 3.
- 48. स्वयंसिद्ध-संसिद्ध-सन्सिद्ध-सर्नासद्ध
- 49. Fz. p. 1141, col. 1.
- 50. महायानिक-शाक्यभिक्ष्वाचार्य्य-शान्तिदेव...।
- 51. D.C. Sircar, Hz. p. 317, f.n. 3.
- 52. V.S. Agrawala, Jy. pp. 191-92.
- 53. Fz. p. 1251, col. 2.
- 54. प्रथितयशसां भाससौमिल्लिवपुतादीनां प्रबन्धानितक्रम्य वर्तमानकवेः कालिदासस्य क्रियायां...।
- 55. Fz. p. 186, col. 1-2.
- 56. Ibid., p. 203, col. 3.
- 57. श्रियमभिमतभोग्यां नैककालापनीतां विदशपित-सुखात्थं यो बलेराजहार। कमल-निलयनायाः शाख्वतं धाम लक्ष्म्याः स जयित विजितात्तिविष्णुरत्यन्त-जिष्णुः॥
- 58. V.R.R. Diksitar, Jy. Vol. II, p. 469.
- 59. (Dx)¹, p. 62, note I.
- 60. Rgveda, I. 154.
- 61. R.C. Majumdar, L. p. 168.
- 62. Ibid., p. 169.
- 63. **Fz**. p. 306, col. 2; Jg. Vol. I, pp. 435-450.
- 64. No. 13, V. 6, : विष्लुतां वङ्श-लक्ष्मीं, भुजबलविजितारिय्यं: प्रतिष्ठाप्य भूयः । जितिमिति परितोषान्मातरं सास्रनेत्नां हतरिपुरिव कृष्णो देवकीमभ्यूपेतः ॥ "It has been suggested that his mother's name was Devaki, but this